



युवा प्रभाग - दिव्य दर्पण ग्रुप
अगस्त, 2023 मास के पुरुषार्थ की पॉइंट्स

अगस्त मास का चार्ट:

लक्ष्य - सदा प्रसन्नचित

बाबा ने हम बच्चों को सर्व प्राप्तियाँ सम्पन्न बनाया है। हमारा गायन है कि अप्राप्त नहीं कोई वस्तु ब्रह्मणों के खजाने में। जब हम बाबा के खजाने को धारण कर अपना बनते हैं तब नशा और खुशी रहती है। सर्व प्राप्तियाँ, प्रसन्नता का आधार है। अप्राप्ति अप्रसन्नता लाती है। प्रसन्नचित अर्थात् सर्व प्रश्नों से न्यारा। कोई प्रश्न नहीं होगा। क्यों, क्या, कैसे यह सब समाप्त। उनकी डिक्शनेरी मे क्वेशन मार्क ही नहीं होता। सदा प्रसन्नचित आत्मा कभी भी किसी भी बात में, चाहे अपने संबंध में, चाहे दूसरों के संबंध में भी प्रश्न नहीं उठाती। माया कितना भी हिलाए लेकिन वह नहीं हिलते परंतु वह माया को हिल देते हैं, माया उन्हें नमस्कार करती है। वह विजयी रहते हैं।

तो आईये, हम सदा प्रसन्नचित होकर अपनी सूरत और सीरत से बाबा को प्रत्यक्ष करें.

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	प्राप्तियों की लिस्ट बनाना
दूसरा	कभी भी प्रश्न नहीं करना
तीसरा	कोई भी परिस्थिति में आश्चर्य का चिन्ह नहीं लगाना
चौथा	हृद के नाम, मान और शान से न्यारा

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उसका अभ्यास एवं चिंतन करना है. उस पर कम से कम 10 लाइन्स में अनुभव लिखना है. रोज रात को चेक करना है कि कितना % प्यूरिटी की परसनालिटी रही.

❖ विशेष Activity: मास के हर रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का वर्कशॉप रखें. जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श कराएं: (एक रविवार का सेम्पल)

1. प्रसन्नचित अर्थात् क्या?
2. प्रसन्नचित के लिए कौनसी धारणाएं चाहिए?
3. प्रसन्नचित से प्राप्तियां?
4. Action Plan बनाएं.

❖ फ्रेम बुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिंदु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला-3.30 से 4.45
3. व्यायाम/पैदल-हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल - हाँ जी
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. नुमाशाम का योग - हाँ जी
8. स्वमान की स्मृति- बहुत अच्छी
9. प्रसन्नचित - 60%
10. गुड नाईट - रात्रि - 10.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बांधेंगे:

1. फुल स्टॉप की मात्र सदा लगाएंगे.
2. व्यर्थ बातों में, चिंतन में, सुनने में, बोलने में और करने में कभी इन्टरेस्ट नहीं लेंगे...

❖ अभ्यास: हर घंटे एक मिनट के लिए बाबा से सर्व खज़ानों की किरणें प्राप्त कर संसार में फैलानी है.

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिंतन कर 10 पॉइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें.

सप्ताह	स्वमान
पहला	मैं आत्मा प्राप्ति सम्पन्न हूँ.
दूसरा	मैं आत्मा प्रसन्नचित हूँ.
तीसरा	मैं आत्मा अचल अडोल हूँ.
चौथा	मैं आत्मा सर्व आकर्षण मुक्त हूँ.

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org